



Mr.

06 Apr 2026

02:27 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121841702

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 06/04/2026  
दिन \_\_\_\_\_: सोमवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 14:27:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 20:52:30 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Delhi  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:39:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:13:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:21:08 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 14:05:52 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:02:27 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 03:04:31 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:05:59 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:41:41 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 12:35:41 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: वसन्त  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 22:20:42 मीन  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 27:30:58 कर्क

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: कर्क - चन्द्र  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: वृश्चिक - मंगल  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: अनुराधा - 3  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: शनि  
योग \_\_\_\_\_: सिद्धि  
करण \_\_\_\_\_: कौलव  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: मृग  
नाड़ी \_\_\_\_\_: मध्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: विप्र  
वश्य \_\_\_\_\_: कीटक  
वर्ग \_\_\_\_\_: सर्प  
युँजा \_\_\_\_\_: मध्य  
हंसक \_\_\_\_\_: जल  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: नू-नूर  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: रजत - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मेष



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 9 मास 30 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
06/04/2026	04/02/2035	05/02/2052	04/02/2059	04/02/2079
04/02/2035	05/02/2052	04/02/2059	04/02/2079	04/02/2085
00/00/0000	बुध 03/07/2037	केतु 03/07/2052	शुक्र 06/06/2062	सूर्य 25/05/2079
00/00/0000	केतु 30/06/2038	शुक्र 02/09/2053	सूर्य 06/06/2063	चंद्र 24/11/2079
00/00/0000	शुक्र 30/04/2041	सूर्य 08/01/2054	चंद्र 04/02/2065	मंगल 30/03/2080
06/04/2026	सूर्य 07/03/2042	चंद्र 09/08/2054	मंगल 06/04/2066	राहु 22/02/2081
सूर्य 08/01/2027	चंद्र 06/08/2043	मंगल 05/01/2055	राहु 06/04/2069	गुरु 11/12/2081
चंद्र 08/08/2028	मंगल 02/08/2044	राहु 23/01/2056	गुरु 06/12/2071	शनि 23/11/2082
मंगल 17/09/2029	राहु 20/02/2047	गुरु 29/12/2056	शनि 04/02/2075	बुध 30/09/2083
राहु 24/07/2032	गुरु 27/05/2049	शनि 07/02/2058	बुध 05/12/2077	केतु 05/02/2084
गुरु 04/02/2035	शनि 05/02/2052	बुध 04/02/2059	केतु 04/02/2079	शुक्र 04/02/2085

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
04/02/2085	04/02/2095	05/02/2102	06/02/2120	06/02/2136
04/02/2095	05/02/2102	06/02/2120	06/02/2136	00/00/0000
चंद्र 05/12/2085	मंगल 04/07/2095	राहु 18/10/2104	गुरु 26/03/2122	शनि 08/02/2139
मंगल 06/07/2086	राहु 21/07/2096	गुरु 14/03/2107	शनि 06/10/2124	बुध 19/10/2141
राहु 05/01/2088	गुरु 27/06/2097	शनि 18/01/2110	बुध 12/01/2127	केतु 27/11/2142
गुरु 06/05/2089	शनि 06/08/2098	बुध 06/08/2112	केतु 19/12/2127	शुक्र 27/01/2146
शनि 05/12/2090	बुध 03/08/2099	केतु 25/08/2113	शुक्र 19/08/2130	सूर्य 07/04/2146
बुध 06/05/2092	केतु 30/12/2099	शुक्र 25/08/2116	सूर्य 07/06/2131	00/00/0000
केतु 05/12/2092	शुक्र 01/03/2101	सूर्य 19/07/2117	चंद्र 06/10/2132	00/00/0000
शुक्र 06/08/2094	सूर्य 07/07/2101	चंद्र 18/01/2119	मंगल 12/09/2133	00/00/0000
सूर्य 04/02/2095	चंद्र 05/02/2102	मंगल 06/02/2120	राहु 06/02/2136	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 8 वर्ष 10 मा 7 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते हैं। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरुचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृत्ति के प्राणी हैं। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रुचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेंगे यह आप ही जानते हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता हैं तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृत्ति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरुचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करें। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृत्ति का त्याग कर अथवा अवरुद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर हैं। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योंकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नहीं होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।